माँ दुर्गा की आरती

अम्बे तू है जगदम्बे काली जय दुर्गे खप्पर वाली |
तेरे ही गुण गावें भारती |
ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती |

तेरे भक्त जनो पे माता भीर पड़ी है भारी |
माता भीर पड़ी है भारी |
दानव दल पर टूट पड़ो माँ करके सिंह सवारी |
माँ करके सिंह सवारी |
सौ-सौ सिहों से भी बलशाली, अष्ट भुजाओं वाली |
दुखियों के दुखड़े निवारती |
ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती |
अम्बे तू है जगदम्बे काली जय दुर्गे खप्पर वाली |
तेरे ही गुण गावें भारती |
ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती |

माँ-बेटे का है इस जग मे बड़ा ही निर्मल नाता |
माँ बड़ा ही निर्मल नाता |
पूत कपूत सुने है पर ना माता सुनी कुमाता |
ना माता सुनी कुमाता |
सब पे करूणा दरसाने वाली अमृत बरसाने वाली |
दुखियों के दुखडे निवारती |
ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती |
अम्बे तू है जगदम्बे काली जय दुर्गे खप्पर वाली |
तेरे ही गुण गावें भारती |

ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती |

नहीं मांगते धन और दौलत न चांदी न सोना |
न चांदी न सोना |
हम तो मांगें माँ तेरे चरणों में एक छोटा सा कोना |
एक छोटा सा कोना |
सबकी बिगड़ी बनाने वाली लाज बचाने वाली |
सतियों के सत को सवांरती |
ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती |

अम्बे तू है जगदम्बे काली जय दुर्गे खप्पर वाली |
तेरे ही गुण गावें भारती |
ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती |
ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती |

www.hanumanchalisalyric.com